http://www.cgboardonline.com

नवीन पाठ्यक्रम

Name : ....

NM-34

Roll No. : ....

कुल प्रश्नों की संख्या : 14]

[कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

http://www.cgboardonline.com

http://www.cgboardonline.com

K-202010–C

विषय : हिन्दी

समय : 3 घण्टे]

[पूर्णांक : 80

निर्देश : (*i*) **सभी** प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(*ii*) प्रश्न-पत्र के प्रश्नों को तीन खण्डों—'क', 'ख' और 'ग' में विभक्त किया गया है।

(*iii*) खण्ड-'क' में 2 प्रश्न हैं, जिसमें 16 अंक निर्धारित हैं।

(*iv*) खण्ड-'ख' में 5 प्रश्न हैं, जिसके 4 प्रश्नों में विकल्प दिए गए हैं। इस खण्ड में कुल 20 अंक निर्धारित हैं।

(*v*) खण्ड-'ग' के आरोह भाग में 32 अंक निर्धारित हैं।

(*vi*) खण्ड-'ग' के वितान भाग में 12 अंक निर्धारित हैं।

 http://www.cgboardonline.com

खण्ड-'क'

प्रश्न-1 अधोलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

"भारतीय धर्म नीति के प्रणेता नैतिक मूल्यों के प्रति अधिक जागरूक थे। उनकी यह धारणा थी कि नैतिक मूल्यों का दृढ़ता से पालन किए बिना किसी भी समाज की आर्थिक व सामाजिक प्रगति की नीतियाँ प्रभावी नहीं हो सकतीं। उन्होंने उच्च कोटि की जीवन-प्रणाली के निर्माण के लिए वेद की एक ऋचा के आधार पर कहा कि उत्कृष्ट जीवन-प्रणाली मनुष्य की विवेक-बुद्धि से तभी निर्मित होनी संभव है जब लोगों के संकल्प, निश्चय, अभिप्राय समान हों, सबके हृदय में समानता की भव्य भावना जाग्रत हो और सब लोग पारस्परिक सहयोग से मनोनुकूल कार्य करें। चरित्र-निर्माण की जो दिशा नीतिकारों ने निर्धारित की वह आज भी अपने मूल रूप में मानव के लिए कल्याणकारी है। प्राय: यह देखा जाता है कि चरित्र और नैतिक मूल्यों की उपेक्षा वाणी, बाहु और उदर को संयत न रखने के कारण होती है। जो व्यक्ति इन तीनों पर नियंत्रण रखने में सफल हो जाता है, उसका चरित्र ऊँचा होता है।

सभ्यता का विकास आदर्श चरित्र से ही संभव है। जिस समाज में चरित्रवान व्यक्तियों का बाहुल्य है, वह समाज सभ्य होता है और वही उन्नत कहा जाता है। चरित्र मनुष्य-समुदाय की अमूल्य निधि है। इसके अभाव में व्यक्ति पशुवत व्यवहार करने लगता है। आहार, निद्रा, भय आदि की वृत्ति सभी जीवों में विद्यमान रहती है। यह आचार अर्थात चरित्र की ही विशेषता है, जो मनुष्य को पशु से अलग कर उससे ऊँचा उठा मनुष्यत्व प्रदान करती है। सामाजिक अनुशासन बनाए रखने के लिए भी चरित्र-निर्माण की आवश्यकता है। सामाजिक अनुशासन की भावना व्यक्ति में तभी जाग्रत होती है, जब वह मानव प्राणियों में ही नहीं वरन सभी जीवधारियों में अपनी आत्मा के दर्शन करता है।"

(*i*) हमारे धर्म नीतिकार नैतिक मूल्यों के प्रति विशेष जागरूक क्यों थे? [2]

(*ii*) चरित्र मानव-जीवन की अमूल्य निधि कैसे है? स्पष्ट कर लिखिए। [2]

(*iii*) धर्म नीतिकारों ने उच्च कोटि की जीवन-प्रणाली के संबंध में क्या कहा? [2]

http://www.cgboardonline.com
http://www.cgboardonline.com
http://www.cgboardonline.com

http://www.cgboardonline.com

(*iv*) प्रस्तुत गद्यांश में किन पर नियंत्रण रखने की बात कही गई है और क्यों? [2]

(*v*) कैसा समाज सभ्य और उन्नत कहा जाता है? [2]

(*vi*) प्रस्तुत गद्यांश के लिए उचित शीर्षक लिखिए। [1]

(*vii*) 'उत्कृष्ट' शब्द का विलोम शब्द व 'बाहु' शब्द का पर्यायवाची शब्द लिखिए। [½+½=1]

प्रश्न–2 अधोलिखित अपठित काव्यांश को पढ़कर इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

''माना आज मशीनी युग में समय बहुत ही महंगा है लेकिन

तुम थोड़ा अवकाश निकालो तुमसे दो बातें करनी है।

उम्र बहुत बाकी है लेकिन, उम्र बहुत छोटी भी तो है।

एक स्वप्न मोती का है तो, एक स्वप्न रोटी भी तो है

घुटनों में माथा रखने से पोखर पार नहीं होता है

सोया है विश्वास जगा लो हम सब को नदिया तरनी है

तुम थोड़ा अवकाश निकालो तुमसे दो बातें करनी है।

मन छोटा करने से मोटा काम नहीं छोटा होता है,

नेह–कोष को खुलकर बाँटो, कभी नहीं टोटा होता है,

आँसू वाला अर्थ न समझे, तो तब ज्ञान व्यर्थ जाएँगे,

मत सच का आभास दबा लो, शाश्वत भाग नहीं भरनी है,

तुम थोड़ा अवकाश निकालो, तुमसे दो बातें करनी है।''

(*i*) मशीनी युग में समय महँगा होने का क्या तात्पर्य है? इस कथन पर आपकी राय क्या है? [1+1+1+1=4]

(*ii*) 'मोती का स्वप्न' और 'रोटी का स्वप्न' से क्या तात्पर्य है? दोनों किसके प्रतीक हैं?

(*iii*) ''घुटनों में माथा रखने से पोखर पार नहीं होता है।'' इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कर लिखिए।

(*iv*) सच का आभास क्यों नहीं दबाना चाहिए?

http://www.cgboardonline.com
http://www.cgboardonline.com
http://www.cgboardonline.com

http://www.cgboardonline.com

खण्ड-'ख'

प्रश्न-3 पत्रकारिता के माध्यम से निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [1+1+1+1=4]

(अ) पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं ?

(ब) खोज-परख पत्रकारिता किसे कहा जाता है ?

(स) पीत-पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं ?

(द) एंकर-बाइट किसे कहते हैं ?

प्रश्न-4 जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित कहानी 'पुरस्कार' पर निम्न बिंदुओं पर प्रतिक्रिया / आलोचना व्यक्त कर लिखिए : [1½+1½=3]

(अ) संवाद

(ब) भाषा-शैली

अथवा

जगदीशचंद्र माथुर की एकांकी 'रीढ़ की हड्डी' पर निम्न बिंदुओं पर समीक्षा कर लिखिए :

(अ) पात्र एवं चरित्र-चित्रण

(ब) भाषा-शैली

प्रश्न-5 'नदियों की स्वच्छता हमारा नैतिक दायित्व' पर फीचर लिखिए। [3]

अथवा

'विज्ञापनों की लुभावनी दुनिया' पर एक आलेख लिखिए।

प्रश्न-6 रेलवे के आरक्षित डिब्बों में अवांछित तत्वों के घुस आने से यात्रियों को हो रही अनेक प्रकार की समस्याओं का उल्लेख करते हुए चेयरमैन, रेलवे बोर्ड, रेल भवन, नई दिल्ली को पत्र लिखकर अपने सुझाव प्रेषित कीजिए। [1+1+2+1=5]

http://www.cgboardonline.com
http://www.cgboardonline.com
http://www.cgboardonline.com

http://www.cgboardonline.com

अथवा

दैनिक समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए जिसमें जगह-जगह आवारा घुमने वाले पशुओं की समस्या की ओर जनता और संबंधित अधिकारियों का ध्यान खींचा गया हो।

प्रश्न-7 निम्नलिखित में से किसी **एक** पर लगभग *200* शब्दों में निबंध लिखिए : [1+3+1=5]

(*अ*) क्यों न परहेज करें हम प्लास्टिक से

(*ब*) साइबर अपराध का आतंक

(*स*) वृक्ष धरा के भूषण

(*द*) अंतरिक्ष विज्ञान और भारत

खण्ड-'ग'

प्रश्न-8 (*i*) 'छोटा मेरा खेत' कविता, उमाशंकर जोशी की रचना के संदर्भ में अंधड़ और बीज क्या है? [1+1=2]

(*ii*) 'सहर्ष स्वीकारा है' कविता में गरबीली-गरीबी के प्रयोग-सौंदर्य को स्पष्ट कर लिखिए। http://www.cgboardonline.com [2]

(*iii*) भरत बाहु बल सील गुन प्रभु पद-प्रीति अपारा।
मन महुँ जात सराहत पुनि-पुनि पवन कुमारा॥
—इस काव्यांश के शिल्प सौंदर्य को उद्धृत कर लिखिए। [2]

प्रश्न-9 (*i*) 'डाल की तरह लचीले वेग' से कवि आलोक धन्वा जी का क्या अभिप्राय है? [2]

(*ii*) आँगन में ठुनक रहा है जिद्याया है
बालक तो हई चाँद पै ललचाया है
दर्पण उसे दे के कह रही है माँ
देख आईने में चाँद उतर आया है।
—इस रूबाई के शायर कौन हैं? इस रूबाई में किस रस की प्रधानता है? [1+1=2]

http://www.cgboardonline.com
http://www.cgboardonline.com
http://www.cgboardonline.com

http://www.cgboardonline.com

प्रश्न-10 (*i*) क्या कारण है कि विकासशील देशों में चार्ली चैप्लिन लोकप्रिय हो रहे हैं? [2]

(*ii*) 'काले मेघा पानी दे' अध्याय में दान के लिए क्या आवश्यक है और क्यों? [2]

(*iii*) 'पहलवान की ढोलक' अध्याय में लुट्टन सिंह ने विजयी होने के पश्चात किसे और क्यों सबसे पहले प्रणाम किया? [1+1=2]

प्रश्न-11 (*i*) 'शिरीष के फूल' हजारी प्रसाद द्विवेदी जी के किस संग्रह से उद्धृत है? [1]

(*ii*) 'आत्म-परिचय' कविता एक ओर जग-जीवन का भार लिए घूमने की बात करती है और दूसरी ओर 'मैं न जग का ध्यान किया करता हूँ' की बात करती है—विपरीत से लगते इन कथनों का क्या आशय है? [3]

(*iii*) तुलसी-युग में भी बेरोजगारी थी। पाठ के आधार पर अपना मन्तव्य लिखिए तथा उस समस्या के समाधान के लिए तुलसीदास जी ने किस भरोसा को जताया है? [2+1=3]

(*iv*) बाजारू-पन से क्या तात्पर्य है? किस प्रकार के व्यक्ति बाजार को सार्थकता प्रदान करते हैं? और क्यों? [1+2=3]

प्रश्न-12 (*i*) जाति-प्रथा को श्रम-विभाजन का ही एक रूप न मानने के पीछे डॉ. अंबेदकर जी के क्या तर्क हैं? कोई तीन तर्क लिखिए। [1+1+1=3]

(*ii*) ''हृदय की कोमलता को बचाने के लिए व्यवहार की कठोरता भी कभी-कभी जरूरी हो जाती है।'' शिरीष के फूल' अध्याय के आधार पर स्पष्ट कर लिखिए। [3]

प्रश्न-13 'सिल्वर-वैडिंग' कहानी के आधार पर 'यशोधर बाबू' के व्यक्तित्व की कोई चार विशेषता लिखिए। [1+1+1+1=4]

अथवा

'जूझ' कहानी के आधार पर आनंदा के व्यक्तित्व की कोई चार विशेषता लिखिए।

प्रश्न-14 (*i*) नदी, कुएँ, स्नानागार और बेजोड़ निकासी व्यवस्था को देखते हुए लेखक पाठकों से प्रश्न पूछता है कि क्या हम सिंधु घाटी सभ्यता को 'जल-संस्कृति' कह सकते हैं? आपका जवाब लेखक ओम थानवी के पक्ष में है या विपक्ष में? तर्क देकर लिखिए (***चार*** बिंदु में)। [1+1+1+1=4]

http://www.cgboardonline.com
http://www.cgboardonline.com
http://www.cgboardonline.com

अथवा

'अतीत के दबे पाँव' अध्याय के आधार पर पर्यटक मुअनजो-दड़ो में क्या-क्या दृश्य देख सकते हैं ? किन्हीं चार दृश्यों का परिचय देकर लिखिए।

(*ii*) "ऐन की डायरी अगर एक ऐतिहासिक दौर का जीवंत दस्तावेज है, तो साथ ही उसके निजी सुख-दुख और भावनात्मक उथल-पुथल का भी। इन पृष्ठों में का फर्क मिट गया है।" इस कथन पर विचार करते हुए अपनी सहमति या असहमति तर्कपूर्वक व्यक्त कर लिखिए। [4]

अथवा

"यह साठ लाख लोगों की तरफ से बोलने वाली एक आवाज है। एक ऐसी आवाज, जो किसी संत या कवि की नहीं, बल्कि एक साधारण लड़की की है।" इल्या इडरनबुर्ग की इस टिप्पणी के संदर्भ में 'ऐन फ्रैंक की डायरी' के पठित अंशों के आधार पर अपने विचार लिखिए।

http://www.cgboardonline.com
http://www.cgboardonline.com

http://www.cgboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से